भारत का भविष्य

बिमल जालान

Bharat Ka Bhavishya

by Bimal Jalan

प्रकाशकः पेंगुइन बुक्स, यात्रा बुक्स के सहयोग से
प्रकाशितः अगस्त 2007
मुद्रणः पेंगुइन
मूल्यः रु 150.00
आई एस बी एनः 0143103679
ऐडिशनः पेपर बैक
फ़ॉरमेटः बी
पृष्ठः 232pp
वर्गीकरणः कथेतर-अनूदित
क्षेत्र अधिकारः विश्व

- **Published by** Penguin Books India in association with Yatra Books
- **Published:** August 2007
- **Imprint:** Penguin
- **Special Price:** Rs.150.00
- **Cover Price:** Rs.150.00
- **ISBN:** 0143103679
- **Edition:** Paperback
- **Format:** B
- **Extent:** 232pp
- **Classification:** Non Fiction
- **Rights:** World

भारत का भविष्यः राजनीति, अर्थशास्त्र और शासन की विषयवस्तु काफ़ी व्यापक है। इस पुस्तक में अर्थशास्त्र, राजनीति और शासन के विभिन्न पहलुओं पर विचार किया गया है। बिमल जालान का मत है किराजनीति, अर्थशास्त्र और शासन—इन तीनों ताक़तों का पारस्परिक प्रभाव ही भारत का भविष्य तय करेगा।

भारतीय रिज़र्व बैंक के भूतपूर्व गर्वनर, प्रशासक, अर्थशास्त्री और सांसद रह चुके बिमल जालान ने इस पुस्तकमें अपने अनुभवों के आधार पर भारत की राजनीतिक व्यवस्था की शक्ति और दुर्बलताओं के साथ-साथ उसको बेहतर बनाने के उपायों, आर्थिक नीति, शासन के क्षेत्रों, समाज में फैले भ्रष्टाचार और उसकी रोकथाम के उपायों पर भी गहन विचार किया है।

लेखक परिचयः

भारत के जाने-माने अर्थशास्त्री बिमल जालान ने कोलकाता के प्रेसीडेंसी कॉलेज तथा कैम्ब्रिज और ऑक्सफ़ोर्ड विश्वविद्यालयों में शिक्षा प्राप्त की। सन् 1997 से 2003 तक आप भारतीय रिज़र्व बैंक के गवर्नर रहे। इसके अतिरिक्त वित्त मंत्रालय, उद्योग मंत्रालय और योजना आयोग में भी उच्च पदों परआसीन रह चुके हैं। आपने आर्थिक सलाहकार समिति के चेयरमैन के रूप में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

अनुवाद

अशोक कुमार कई वर्षों से अनुवाद-कार्य से जुड़े हैं। आपने फ़ोर्टिस अस्पताल के स्वास्थ्य संबंधी लेखों तथा अन्य विधाओं में भी अनुवाद कार्य किया है। आप गंधर्व महाविद्यालय, नई दिल्ली से विशारद कर रहे हैं।